B.A. (Part II) EXAMINATION, 2018

संस्कृत साहित्य-I

प्रथम प्रश्न-पत्र—वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य एवं व्याकरण

Time Allowed : Three Hours Maximum Marks : 100

सभी (लघूत्तरात्मक तथा वर्णनात्मक) प्रश्नों के उत्तर मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें। लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमानुसार ही दें। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर, उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर क्रमानुसार हल करें। प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखें।

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें।

PART-I (SHORT ANSWER) **M.M. : 30**

प्रत्येक प्रश्न-पत्र में 15 प्रश्न लघूत्तरात्मक होंगे जिसमें से प्रथम 5 प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा के माध्यम से देना होगा, प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं। जिस प्रश्न-पत्र में संस्कृत अनुवाद/निबन्ध पूछे गए हैं, वहाँ संस्कृत में उत्तर अपेक्षित नहीं है।

1. किस देवता का आयुध वज्र है ?
2. कृषि का देवता कौन है ?
3. तीन प्रकार के ताप कौन-से हैं ?
4. कठोपनिषद् का प्रधान विषय क्या है ?
5. शुकनासोपदेश के अनुसार कल्याणकारी वचन किनके कानों में पीड़ा उत्पन्न कर देता है ?
6. अपने इन्द्रजाल जैसे सम्मोहन से विश्व को कौन विमुग्ध करने वाली है ?
7. तारापीड़ कहाँ के राजा थे ?
8. आधुनिक पाश्चात्य विचारकों ने वैदिक साहित्य को किन चार भागों में विभाजित किया है ?
9. यज्ञों का सम्बन्ध किस वेद से है ?
10. 'ङेर्य' सूत्र का अर्थ लिखिए।
11. 'हरि' शब्द की सप्तमी के रूप लिखिए।
12. 'युष्मद' शब्द की चतुर्थी विभक्ति के रूप लिखिए।
13. 'चतुर' शब्द से परे 'आम' को नुट का आगत किस सूत्र से होता है ?
14. 'ज्ञान' शब्द की तृतीया विभक्ति के शब्द लिखिए।
15. 'नपुंसकस्य झलचः' सूत्र का अर्थ लिखिए।

PART-II (DESCRIPTIVE) **M.M. : 70**

1. निम्नलिखित मंत्रों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए- 5+5=10

(क) अग्ने शुक्रेण शोचिषा विश्वाभिदर्वेहुतिभिः।
इमं स्तोमं जुषस्व नः॥

(ख) परा में यन्ति धीतयो गावो न गच्यूतीरनु।
इच्छन्तीरुरु चक्षसम्।

(ग) शुनं वाहाः शुनं नरः शुनं कृषतु लाङ्गलम्।
शुनं वरत्रा बध्यन्तां शुनमष्ट्रामुदिङ्गय॥

(घ) एक एवाग्निर्बहुधा समिद्ध एकः सूर्योविश्वभनु प्रभूतः।
एकैवोषाः सर्वमिदं विभात्य एकं वा इदं विबभूम सर्वम्॥

2. पठित सूक्तों के आधार पर 'वरुण' अथवा क्षेत्रपति देवता का उदाहरण देते हुए उल्लेख कीजिए। 6

3. निम्नलिखित में से किसी एक मंत्र की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 6

(क) शान्त सङ्कल्पः सुभना यथा स्याद्,
वीत मन्युर्गोतमो माऽभि मृत्यो।
त्वत्प्रसृष्टं माऽभिवदेत् प्रतीत
एतत्त्रयाणां प्रथमं वरं वृणे॥

(ख) न वित्तेन तर्पणीयो मनुष्यो
लप्स्यामहे वित्तमद्राक्ष्म चेत्त्वा।
जीविष्यामो यावदीशिष्यसि त्वं
वरस्तु में वरणीयः स एव॥

4. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 6+6=12

(क) अयमेव चानास्वादित विषयरसस्य ते काल उपदेशस्य कुसुमशरशर प्रहार जर्जरिते हि हृदये जलमिव गलत्युपदिष्टम्। आकारणञ्च भवति दुष्प्रकृते रन्वयः श्रुतं वा विनयस्य। चन्दनं प्रभवो न दहति किमनलः, किं वा प्रशम हेतुनापि न प्रचण्डतरी भवति वडवानलो वारिणा ? गुरुपदेराश्च नाम पुरुषाणाम खिलमलप्रक्षालनक्षमम जल स्नानम् 'अनुपजातपलितादिवैरूप्यमजरं वृद्धत्वम्' अनारोपित में दो दोषं गुरु करणम्।

(ख) गन्धर्वनगर लेखेव पश्यत एव नश्यति। अद्याप्यारूढ़मन्दर परिवत्तार्क्त - भ्रान्ति-जनित-संस्कारेव परिभ्रति। कमलिनी संचरण व्यतिकर - लग्न-नलिन-नाल-कण्टक-क्षतेव न क्वचिदपि निर्भर मा बध्नाति पदम्। अति प्रयत्न विधृतापि परमेश्वरगृहेषु विविध-गन्ध गजगण्ड मधु पान मत्तेव परिखलति।

(ग) तथाहि, इयं संवर्धन वारि धारा तृष्णा विषतल्लीनाम्, व्याधगीतिरिन्द्रिय मृगाणाम्, परामर्शधूमलेखा सच्चरित चित्राणाम्, विभ्रमशय्या मोह दीर्ध निद्राणाम्; निवास जीग्रवलभी धन मद पिशाचिका नाम्। तिमिरोद् गतिः शास्त्र दृष्टीनाम्, पुरः पताका, सर्वाविनयानाम्, उत्पत्ति निम्नगा क्रोधावेग ग्राहाणाम्, आपानभूमि विषय मधूनाम, संङ्गीतशाला भ्रूविकारनाट्यानाम् आवासदर्री दोषाशीविषणाम्।

(घ) सर्वथा तमभिनन्दति, तमालपन्ति, तं पार्श्वे कुर्वन्ति, तं संवर्धयन्ति, नेन सह सुखमवतिष्ठन्ते, तस्मै ददति, तं मित्रतामुपनयन्ति तस्य वचनं शृण्वन्ति, तत्र वर्षन्ति, तं बहु मन्यन्ते, तमाप्त तामा पादयन्ति, योऽह निंशमनवरतयु पर चिताञ्जलिरधिउ दैवतमिव विगतान्य कर्त्तव्यः स्तोति, यो वा माहात्म्यमुद भावयति। किं वा तेषां साम्प्रतम्, येषामति नृशंस प्रायोपदेश निघृंणं कौटिल्यशास्त्रं प्रमाणम्, अभिचार क्रिया क्रूरै प्रकृतयः पुरोधसों गुरवः, परभिसन्धान परा मन्त्रिण उपदेष्दारः नरपति सहस्त्र भुक्तोज्झितायां लक्ष्म्यामासक्तिः। http://www.uoronline.com

5. शुकनासोपदेश के अनुसार युवावस्था में बुद्धि की गति का उल्लेख कीजिए।

अथवा

शुकनासोपदेश से प्राप्त शिक्षा का वर्णन कीजिए। 7

6. चारों वेदों का संक्षिप्त में विवेचन कीजिए।

अथवा

उपनिषद् शब्द का अर्थ शब्द करते हुए उनकी विषय वस्तु को समझाइये। 11

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए– 2½+2½=5

(क) यचि भम् (ख) धोर्डिति (ग) सम्बुद्धौचा (घ) यस्येतिंच

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिए– 2+2=4

(क) रामे (ख) ज्ञानानि (ग) हरिणा (घ) रमयोः

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए– $2\frac{1}{2}+2\frac{1}{2}=5$

(क) षट्चतुर्भ्यश्च (ख) अतोगुणे (ग) त्वाऽहौ सौ (घ) वसोसं प्रसारणम्

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि कीजिए– 2+2=4

(क) विदुषा (ख) चत्वारः (ग) इमे (घ) मया।